Name : **Registration Number:** **Age/ Gender:**

Grade/Class: **Medium of school instruction:**

PERCEPTUAL DISCRIMINATION SKILLS:

Auditory Identification Level

Example	उ	क	छ	ड	उ	भ	व
1	अ	उ	ट	स	ल	ओ	र
2	श	फ	ज	व	म	ग	प
3	ब	न	ड	च	य	ई	ख
4	घ	झ	त	ग	म	ल	क्ष
5	ई	ख	ट	ध	य	ह	फ
6	ए	आ	ग	छ	ट	ड़	ज
7	थ	ठ	च	न	ज	फ	अ
8	क्ष	व	भ	ड़	ट	छ	ग
9	ध	ख	झ	थ	ब	व	त्र
10	क	ज	त	फ	ल	ह	ष
11	आ	ऐ	च	ड	न	य	स
12	छ	क	ऊ	त	ब	श	म
13	ग	झ	त	प	य	ष	ज्ञ
14	झ	ब	द	ठ	च	ऐ	ल
15	ऊ	च	ट	द	न	र	भ
16	ध	त	ठ	ज	भ	व	क्ष
17	उ	क	छ	ड	उ	भ	व
18	द	ठ	च	ओ	प	र	भ
19	ओ	आ	ज	ड़	न	म	य
20	ट	थ	फ	र	स	ख	ई
21	द	झ	क	फ	र	स	आ
22	न	ड़	ज	ख	ऊ	र	ह
23	छ	त	ब	श	क	ऊ	ल
24	र	त्र	ब	द	झ	क	इ
25	ध	य	ह	ड़	ज	ख	ऊ
26	ग	झ	त	उ	प	य	ष

RESPONSE SHEET

Auditory Recall level

निर्देशन: रेखांकित अक्षर का नाम बताएं.

उदाहरण: द क ठ च Response: क /k/

1	उ	स	ओ	र	**14**	ब	द	च	ऐ
2	श	ज	म	प	**15**	ऊ	ट	न	र
3	न	च	ई	ख	**16**	त	ज	ओ	क्ष
4	घ	त	म	क्ष	**17**	ऊ	छ	उ	व
5	ख	ध	ह	फ	**18**	ठ	ओ	र	भ
6	ए	ग	ट	ज	**19**	ओ	ज	न	य
7	ठ	न	फ	अ	**20**	ट	फ	स	ई
8	क्ष	व	ड	छ	**21**	झ	फ	स	आ
9	ध	झ	ब	त्र	**22**	न	ज	ऊ	ह
10	ज	फ	ह	ष	**23**	त	श	ऊ	ल
11	ऐ	च	न	य	**24**	त्र	ब	झ	इ
12	छ	ऊ	त	श	**25**	ध	ह	ड	ख
13	झ	प	ष	ज्ञ	**26**	झ	उ	य	ष

RESPONSE SHEET

Auditory Discrimination Level

Example बस- कार

नदी- नदी

1.		2.		3.	
4.		5.		6.	
7.		8.		9.	
10.		11.		12.	
13.		14.		15.	
16.		17.		18.	
19.		20.		21.	
22.		23.		24.	
25.		26.		27.	
28.		29.		30.	

RESPONSE SHEET

Visual discrimination (Level 1)
Example:

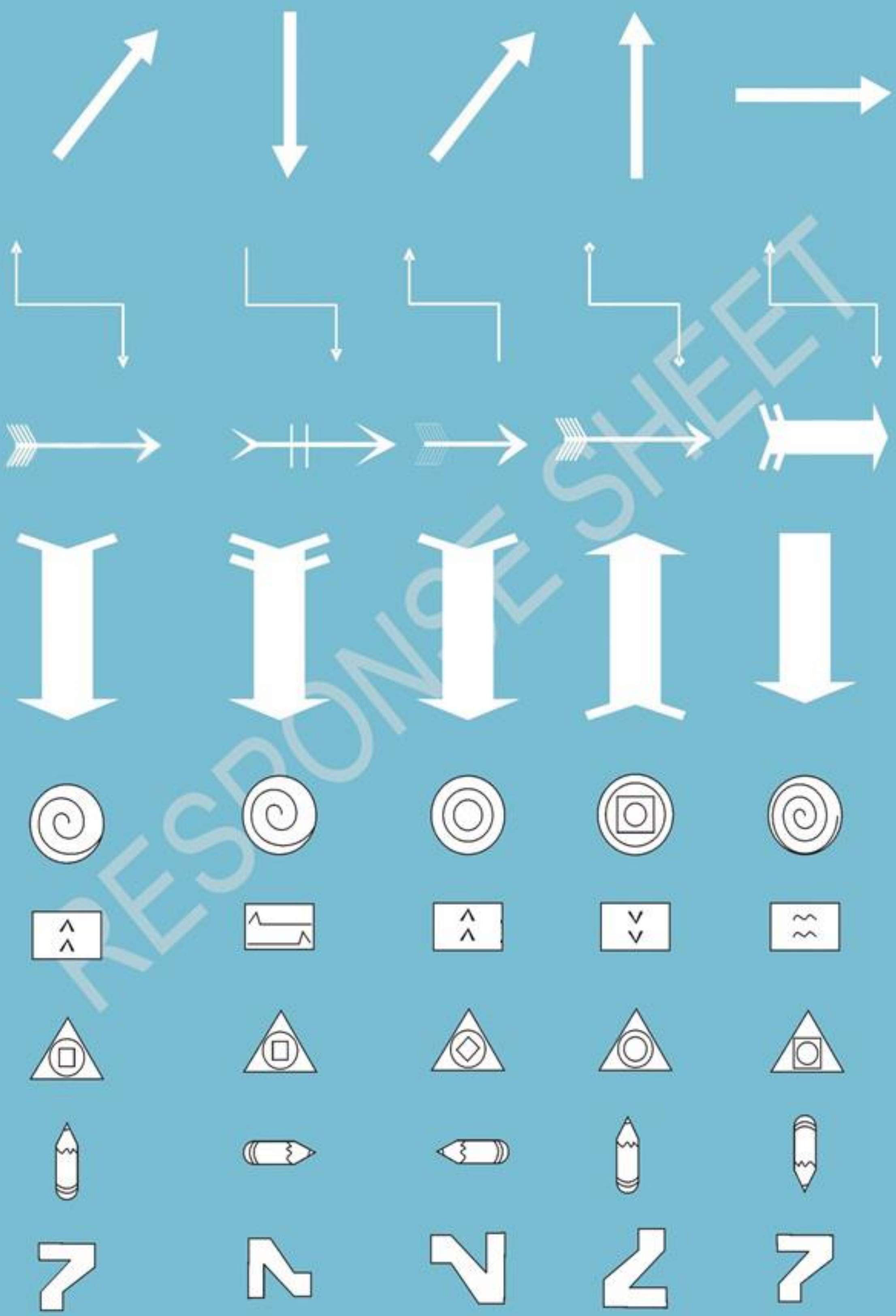

RESPONSE SHEET

त	ल	न	त्र	त
च	ज	म	च	ल
ल	त	ल	त्र	न
ओ	अ	औ	आ	ओ
ट	ठ	ट	व	ब
र	स	ख	श	र
प	फ	प	म	ण
इ	ई	ड़	झ	इ
उ	ओ	अ	ऊ	उ

RESPONSE SHEET

Visual discrimination (Level 2)
Example:

पग पट पह पम **पग**

ओ ई	अ ऊ	आ ई	ओ ई	ओ इ
ब ड	व ड	ब ड	व ड़	ब ड़
फ द	प ट	फ ट	फ द	प द
ठ च	ठ ज	ठ च	ट ज	ट च
घ द	घ ट	ध ट	घ द	ध द
प ऊ	फ उ	प ऊ	फ ऊ	प उ
उ घ	उ छ	ऊ छ	उ घ	ऊ घ
य श	थ स	य स	य श	थ श
र ज	र च	र ज	स च	स ज
क्ष ष	क्ष प	ध ष	ध प	क्ष ष
ए व	ऐ ब	ए व	ऐ व	ए ब
ख ह	श ह	श अ	ख ह	ख अ
इ त	ई न	इ त	ई त	इ न
ज्ञ क	ज क	ज ब	ज्ञ ब	ज्ञ क
स द	श द	श ट	स द	स ट
ब झ	व भ	ब झ	व झ	ब भ
च क्ष	ज क्ष	च झ	च क्ष	ज झ

RESPONSE SHEET

Phoneme Grapheme Correspondence Test (Level 1)

Beginning consonant

Example:

पार - [ ]

1. [ ]	2. [ ]	3. [ ]
4. [ ]	5. [ ]	6. [ ]
7. [ ]	8. [ ]	9. [ ]
10. [ ]	11. [ ]	12. [ ]
13. [ ]	14. [ ]	15. [ ]
16. [ ]	17. [ ]	18. [ ]

RESPONSE SHEET

Ending consonant

Example:

पार - [ ]

1. [ ]	2. [ ]	3. [ ]
4. [ ]	5. [ ]	6. [ ]
7. [ ]	8. [ ]	9. [ ]
10. [ ]	11. [ ]	12. [ ]
13. [ ]	14. [ ]	15. [ ]

Consonant blends

Example:

क्रिकेट - [ ]

1.		2.		3.		4.	
5.		6.		7.		8.	
9.		10.		11.		12.	
13.		14.		15.		16.	
17.		18.		19.		20.	

Vowel sounds

Example:

पार - [ ]

1.		6.	
2.		7.	
3.		8.	
4.		9.	
5.		10.	

RESPONSE SHEET

Phoneme Grapheme Correspondence Test (Level 2)

Beginning consonant

Example:

पार	क्रिकेट	बस	पास

र					
ट					
फ					
म					
व					
स					

Ending consonant

Example:

पार	क्रिकेट	बस	कार

स					
ड					
क					
ट					
र					
ल					

RESPONSE SHEET

Vowel Sounds

Example:

पार	चार	तीर

1.			
2.			
3.			
4.			
5.			
6.			
7.			
8.			
9.			
10.			

RESPONSE SHEET

Blending test (Level 2)
Example:

बंजा + रा   बंज + र   बं + जर

1) तक + नीक	तक + नीकी	त + क + नीकी
2) प + ट + रेखा	तट + रे + खा	तट + रेखा
3) चट + पटा	छट + पटा	च + टपटा
4) तर + कीब	तर + कील	त + र + कीब
5) तर + फ़दीरा	तरफ़ + दारी	त + रफ़ + दारी
6) तर + बूज	त + र + बूज	तरबू + जा
7) तलवा + र	तल + वार	तल + ना
8) तह + की + कात	तहकी + कात	त + हकी + कात

RESPONSE SHEET

Structural Analysis Test (Level 1):

Example: __________ रो रहे थे।

बच्चा   बच्चे   बच्ची

1) लड़का घोड़े की सवारी ______________ था।

कर रहा   करेगा   करती

2) मुझे बहुत सारे खिलौने ________________ हैं।

दिख रहा   दिखता   दिख रहे

3) मेरा गुब्बारा सबसे __________ है।

बड़ी   बड़ा   बहुत बड़ा

4) कुत्ता गेट के ऊपर से __________________ गया ।

कूद   कूदेगा   कूदना

5) वह बहुत तेज़ _______________ है।

दौड़ना   दौड़ेगा   दौड़ता

6) राम श्याम से __________है।

लम्बी   लंबा   लम्बाई

7) वह घर _______________ है।

आ रहा   आएगा   आना

8) वे साथ नहीं ______________ ।

जा   जाऐंगे   जाना

9) बच्चे जल्दी ______________ हैं।

आऐंगे   आनी   आ रहे

10) पक्षी घर के ऊपर से ______________ गया।

उड़कर   उड़ी   उड़ेगी

RESPONSE SHEET

Structural AnalysIs Test (Level 2):

1. 'बहुवचन' दर्शाता है (उदाहरण: गाय गायें)

बच्चा	बच्चे	बच्ची
चीख	चीखी	चीखें
विचार	विचारे	विचारों

2. 'भूतकाल' दर्शाता है (उदाहरण: रोयेगा रो रहा है रोया)

मिले	मिलते	मिलेंगे
गया	जाओ	जाना
आओ	आए	आऍंगे

3. 'कम' या 'ज्यादा' दर्शाता है (उदाहरण: अच्छा बेहतर श्रेष्ठ)

बड़ा	बेहतर	स्वच्छ
छोटा	ऊँचा	अतिसुंदर
विशालतम	लंबा	सुन्दर

4. 'अस्वीकार/नहीं' दर्शाता है (उदाहरण: संभव असंभव)

अनुचित	उचित	उच्च
अप्रसन्न	प्रसन्न	प्रसिद्ध
अभागा	भाग	भाग्यवती

RESPONSE SHEET

5. 'फ़िर से' या 'दोबारा' दर्शाता है (उदाहरण: निर्माण   पुनरुद्धार)

आरम्भ   प्रारम्भ   पुनरारम्भ
आवागमन   पुनरागमन   आगमन
पुनरावेदन   आवेदन   निवेदन

6. 'रहित' या 'बिना' दर्शाता है (उदाहरण: स्वार्थ   निस्वार्थ   )

सशस्त्र   शस्त्र   निशस्त्र
संदिग्ध   संदेह   निसंदेह
निसन्कोच   सन्कोच   सोच

7. 'साथ' या 'सहित' दर्शाता है (उदाहरण: अर्थ   अर्थपूर्ण)

संतोष   संतुष्ट   संतोशजनक
संदिग्ध   संदेहजनक   संगीन
संपत्तिशाली   संपत्ति   आपत्ति

8. 'पहले से' या 'पूर्व' (उदाहरण: कथित   पूर्वकथित) दर्शाता है।

पूर्वकल्पना   कल्पना   काल्पित
अभ्यास   आभास   पूर्वाभ्यास
अनुमान   पूर्वानुमान   अनुमानित

RESPONSE SHEET

Structural AnalysIs Test (Level 3):

Example: निसंदेह ( ) निस्वार्थ ( ) निगाह( ) निर्भय ( )

1.	कटुभाषी ( )	कटुसत्य ( )	कटुस्वर ( )	कटौती ( )
2.	कथाकारिता ( )	कथात्मक ( )	कथित ( )	कथावाचक ( )
3.	अंतरात्मा ( )	अंतरिम ( )	अंतर्यामी ( )	अन्तर ( )
4.	कर्मचारी ( )	करम ( )	कर्मशाला ( )	कर्मशक्ति ( )
5.	क्षतिग्रस्त ( )	क्षतिपुर्ति ( )	क्षतिपूरण ( )	क्षत्रिय ( )
6.	कलाकार ( )	कलाकृति ( )	कली ( )	कलाबाज़ी ( )
7.	अंधकार ( )	अंधविश्वास ( )	अंधाधुंध ( )	आन्धी ( )
8.	कार्यकारिणी ( )	कार्यकुशल ( )	कार्यक्षमता ( )	काया ( )
9.	क्रान्ति ( )	क्रमश: ( )	क्रमसूचक ( )	क्रमांक ( )
10.	कमरपेटी ( )	कमरा ( )	कमरतोड़ ( )	कमरबंद ( )

RESPONSE SHEET

Oral Reading (Level 1):

आज सोमवार है। नौ बजे हैं। आसमान में काले बादल छाए हैं। तेज़ बारिश हो रही है। राजू और चेतन बाज़ार जा रहे हैं। वे दोनों छाता और बैग लेकर जा रहे हैं। वे साइकिल नहीं चला रहे हैं। वे पैदल चल रहे हैं।

RESPONSE SHEET

Oral Reading (Level 2):

एक जंगल में एक बहुत बड़ा तालाब था। उसमें बहुत तादाद में मछलियाँ, मेंढक, केकड़े रहते थे। एक साल वहाँ बिल्कुल बारिश नहीं हुई और वहाँ बहुत गर्मी थी। तालाब का पानी सूख रहा था। वहाँ तालाब के पास एक सारस रहता था, जिसे मछलियाँ खाना बहुत पसंद था। एक दिन उसने तरकीब सोची और तालाब पहूँचकर एक मछली से बोला, “दोस्त, मुझे तुम्हारे लिए यह सुनकर बहुत बुरा लगता है कि इस साल यहाँ बारिश नहीं होगी| तालाब में अब ज़्यादा पानी भी नहीं बचा है। अगर यहाँ बारिश नहीं होगी तो एक दिन तालाब का सारा पानी सूख जाएगा और तुम सब मर जाओगे।” तभी सारी मछलियाँ, मेंढक, केकड़े एक आवाज़ में बोले, "कृपया हमें बता दें कि हम अपने आप को कैसे बचा सकते हैं?" चतुर सारस ने कहा, "यहाँ पास में एक बहुत बड़ी झील है, जहाँ बहुत सारा पानी है। अगर तुम लोग चाहते हो तो मैं तुम लोगों को अपनी चोंच से उठाकर एक एक करके झील में छोड़कर आ सकता हूं।” सभी मछलियाँ मान गईं। सारस एक एक कर मछलियों को अपनी चोंच से उठाकर उड़ गया। और वह एक चट्टान पर ले जाकर उनको खा गया। वह रोज़ तालाब के पास आता और एक बार में एक मछली को चट्टान पर ले जाकर खा जाता। इसी तरह वह तालाब की सारी मछलियों को खा गया।

RESPONSE SHEET

Oral Reading (Level 3):

जैसे ही साधू का उपदेश समाप्त हुआ और भीड़ तितर बितर हो गई, वह डाकू उनके पास पहुंचा और बोला, “परम पूजनीय साधू जी, मैं एक बहुत बड़ा पापी हूं। मैं अपना निर्वाह लोगों को लूटकर करता हूं। मैं अपने बुरे तरीकों को छोड़ नहीं पा रहा हूं। मैं कैसे अपने को सुधारूं? कृपया मुझे सही मार्ग दिखाइए।”

साधू जी ने पल भर सोचा और बोले, "क्यों नहीं? झूठ बोलना बंद करो। यही रास्ता है तुम्हारी मुक्ति का।" वह डाकू उनके पैर पड़ गया और उनके आशीर्वाद लिये। फिर वह अपने जीवन और अपने कर्मों के बारे में सोचता हुआ चला गया। उसी समय वह एक महल के पास से गुज़रा। उसने सोचा कि राजा का महल लूटने में कुछ गलत नहीं। राजा ने निर्दयता से जनता से कर इकट्ठा करके पैसा और सोना जमा किया है। यह सोचकर वह महल में गया।

महल के दरवाज़े पर उसे पहरेदार ने रोक लिया और पूछा," कौन हो तुम?" डाकू ने झूठ बोलना छोड़ दिया था, इसलिए वह बोला, "एक चोर"। पहरेदार उसके इस उत्तर से चकित रह गया। उसने सोचा, "यह आदमी अवश्य महल का ही कोई सदस्य है। यह मेरे पूछताछ से क्रोधित हो गया होगा। इसलिए मुझे इसे रोकना नहीं चाहिए। अन्यथा राजा अप्रसन्न हो सकते हैं"। यह विचार कर, पहरेदार ने आदर सहित डाकू को कहा,"श्रीमान, मेरी पूछताछ पर क्रोधित न हों। मैं तो बस अपना काम कर रहा था। कृपया अंदर जाइए"।

डाकू अंदर चला गया। उसने अनमोल गहनों से भरा एक संदूक़ ले लिया। डाकू ने वह बक्सा अपने सर पर उठा लिया। जब वह दरवाज़ा पार करने वाला था, पहरेदार ने उसे रोका और पूछा, "यह क्या है जो तुम लेकर जा रहे हो?" डाकू ने उत्तर दिया, "यह राजा के गहनों का संदूक़ है। मैंने चुराया है"। पहरेदार ने सोचा, "यह बहुत ही चिड़चिड़ा आदमी होगा। मेरे साधारण से सवालों पर भी गुस्सा हो जाता है। इसीलिए यह ऐसे उद्दंड उत्तर दे रहा है। यह अवश्य ही राजा के आदेश से कुछ ले जा रहा होगा। मुझे इसे जाने देना चाहिए।" इस प्रकार से अपने आप को आश्वासन देकर पहरेदार ने डाकू को बाहर जाने दिया।

RESPONSE SHEET

Oral Reading (Level 4):

वन्य जीवन की प्रकृति में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका है। कुछ जानवर किसान की मदद करते हैं, है ना? बड़े जानवर छोटे शाकाहारी जानवरों के द्वारा खेतों को नष्ट होने से बचाते हैं। यह परभक्षी हानिकारक चूहे, गिलहरी आदि, कतरने वाले जानवर, कीड़े मकोड़े व पक्षियों से होने वाली हानि को कम करते हैं। चूहे, गिलहरी आदि, कतरने वाले जानवर प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने का सबसे महत्वपूर्ण काम करते हैं। वे जंगली पौधों को प्रचुर मात्रा में उत्पन्न होने से रोकते हैं। वे कई प्रकार के पक्षी, जानवर व सरीसृपों के लिए खाना उपलब्ध कराते हैं। लकड़बघ्घे और गिद्ध, प्रकृति के स्वच्छता कर्मी हैं। वो जानवरों के मृतशरीरों को खाते हैं और हवा को गंदी बदबू एवं प्रदूषण से बचाते हैं।

आपने पक्षी तो देखा है, है ना? पक्षी किसान के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होते हैं। यह फूलों को निषेचित करने और बीजों को फैलाने के लिए जिम्मेदार होते हैं। यह वनस्पति में बीमारियां फैलाने वाले कीड़े मकोड़े खाकर, किसानों की मदद करते हैं। यह चूहे, गिलहरी आदि कतरने वाले जानवरों की आबादी को भी कम रखते हैं। यह कहा जाता है कि केवल एक ही उल्लू हर साल करीब ८०० चूहे मार डालता है। पक्षी अपनी गतिविधियों से हमें भूकम्प, बाढ़, और सूखे की पूर्व चेतावनी देते हैं। किसको मधुमक्खियों द्वारा इक्कट्ठा किया हुआ शहद चखना पसंद नहीं? किसको सारिका या कोयल के वसन्त के स्वर सुनकर खुशी नहीं होती? कौन रंगीन पंखों और मोर के नृत्य से या हंस के मनोहर चाल से आकर्षित नहीं होता? उन्हें देखने में थोड़ा समय बिताना शिक्षाप्रद एवं मनोरंजक है। है ना?

सम्राट अशोक ने कुछ आज्ञापत्र छोड़े हैं। उनमें से एक पर उन्होनें उन पक्षियों और जानवरों के नाम लिखवाए जिन्हें उनके राज्य में संरक्षित किया जाएगा। बुद्ध एवं महावीर ने पशु-पक्षियों के प्रति सद्भावना का उपदेश दिया है। अगर हमें वन्य जीव-जंतुओं को सुरक्षित रखना है तो हमें अपने जंगलों का एक हिस्सा विशिष्ट रूप से जंगली जानवरों के लिए आरक्षित करना पड़ेगा। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि जंगल वनस्पति व पशुओं को आश्रय देने के अलावा, बाढ़ और भू-क्षरण को भी रोकता है।

RESPONSE SHEET

सन् १९५२ में, राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड को स्थापित किया गया था। यह हमारे वन्य जीवन को सुरक्षित व संरक्षित करने के लिए योजनाएँ बनाता है। तभी से, यह बोर्ड और उसके राज्य के प्रतिरूपों ने वन्य जीवन के विकास के लिए उत्कृष्टता से काम किया है। इसने कुछ जंगली इलाकों को वन्य जीव-जन्तुओं के लिए आरक्षित किया। जहाँ वन्यजीवों को सुरक्षित रखा जाता है, ऐसी जगहों को शरण स्थान या सैंचूरी कहते हैं।

कर्नाटक के बांदीपुर में एक अभयारण्य है और पक्षियों के लिए रंगानाथीठतू (श्रीरंगापटनम के पास) में एक शरण स्थान या सैंचूरी है। इन सैंचूरियों में सरकार ने शिकार पर पाबंधी लगा रखी है और जानवर व पक्षी बिना किसी हानि के आज़ाद घूम सकते हैं। हमारे कई बड़े जंगल पहले से ही जलीय परियोजनाओं और सड़कों के निर्माण के लिए साफ़ कर दिए गए हैं। पशु पक्षियों की कई प्रजातियां लगभग विलुप्त हो चुकी हैं। अगर हम अपने वनस्पति और पशु पक्षियों के अनियंत्रित विनाश को नहीं रोकते, तो हम हमारे सुंदर देश को एक रेगिस्तान की बंजर भूमि जैसा बना देंगे।

RESPONSE SHEET